हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 1 जुलाई 2024

11 2360 सीट पर आए 4095 आवेदन, 5 जको जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

12 जून में प्रोएक्टिव मोड पर बनी 3333 लाभार्थियों की पेंशन

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

महेंद्रगढ़। गांव कूकसी के पेट्रोल पंप के समीप बने कट पर एक स्कोडा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतक के चाचा की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुराणा गांव निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि 28 जून को उनको सूचना मिली कि उसका भतीजा रविकांत का एक्सीडेंट कुक्सी पेट्रोल पंप के सामने हो गया है। उसको इलाज के लिए नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ में दाखिल करवाया गया है। जहां भतीजे रविकांत की मौत हो गई। धर्मेंद्र निवासी मिजार्पुर बाछोद का पैर टूटा हुआ था। उसको और भी चोटें लगी हुई थी व राकेश निवासी गुवाणी भी घायल था।

सिहमा में इलाज कराने गई महिला हुई लापता

मंडी अटेली। कस्बे से एक महिला लापता हो गई। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। महिला के परिजनों ने पुलिस में दी शिकायत में कहा कि गत 18 जून सुबह सात बजे परिवार से 200 रुपये लेकर सिहमा में इलाज कराने गई थी, लेकिन घर वापसी नहीं लौटी। अटेली पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों की खैर नहीं, सरकार कर रही जमीन खाली करवाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭|कनीना

प्रदेश सरकार गांवों में पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों पर कार्रवाई करेगी। दूसरे शब्दों में पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं होगी। इस संबंध में विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से गांवों में अवैध कब्जे हटवाने को लेकर आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि पंचायती जमीन पर कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएं। सरकार ने माना कि प्रदेश के अधिकांश गांव में रास्तों पर कब्जा होने की वजह से वहां से निकलना आसान कार्य नहीं है। ऐसे अधिकांश गांव के 7 वीसीएल के केस विभिन्न अदालतों में विचाराधीन पड़े हैं।

- सरकार के पंचायत विभाग ने जारी किया नोटिस, नाजायज काबिज व्यक्ति के विरुद्ध 2 वर्ष के कारावास की सजा

पंचायत विभाग ने जारी किया नोटिस

बता दें कि शामलात देह व अन्य चरान्द भूमि संबंधित ग्राम पंचायत में निहित करती है और उसकी रक्षा करना संबंधित ग्राम पंचायत व शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दायित्व है। ऐसी भूमि से नाजायज कब्जे हटवाने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे है।

माननीय उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा भी गांवों से नाजायज कब्जे हटवाने से संबंधित नीति बनाने व कठोर कदम उठाए जाने बारे निर्देश दिए जाते रहे हैं, लेकिन इन सबके बावजूद पंचायतों में निहित भूमि को पूर्णतः कब्जा मुक्त नहीं करवाया जा सका है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि संबंधित संस्था अर्थात ग्राम पंचायत या जिन अधिकारियों को हरियाणा ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत अधिकृत किया गया है। इसका कर्तव्य है कि यह अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली पंचायतों की भूमि को नाजायज कब्जों से मुक्त करवाएं।

सरकार के इस आदेश के बाद प्रत्येक गांव में लगभग सैकड़ों एकड़ भूमि से नाजायज कब्जे हटने की संभावना बन गई है। ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम, 1961 की धारा 7 में प्रावधान है कि संबंधित ग्राम पंचायत, कोई भी ग्रामवासी, समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी तथा खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पंचायतों में निहित शामलात भूमि से नाजायज कब्जा हटवाने के लिए सहायक कलेक्टर कलेक्टर प्रथम श्रेणी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जिस पर सहायक कलेक्टर प्रथम श्रेणी का कर्तव्य बनता है कि उस आवेदन पत्र का निर्णय करते हुए यदि कोई व्यक्ति विशेष नाजायज काबिज पाया जाता है तो उसे बेदखल करके पंचायत को भूमि का कब्जा दिलवाएं।

नाजायज काबिज व्यक्ति के विरुद्ध 2 वर्ष के कारावास की सजा

- धारा 7(5) के अनुसार नाजायज काबिज व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक मामला भी दर्ज किया जा सकता है जिसमें उसे 2 वर्ष के कारावास की सजा हो सकती है। धारा 7 .7 (1) तथा 7 (2) में दिए गए प्रावधानों को तत्पर संदर्भ के लिए उदृत किया जाता है।
- गांव में अधिकार क्षेत्र रखने वाले प्रथम श्रेणी के सहायक कलेक्टर या तो स्वप्रेरणा से या पंचायत या गांव के निवासी या सामाजिक शिक्षा के खंड विकास और पंचायत अधिकारी और पंचायत अधिकारी या किसी अन्य अधिकारी द्वारा किए गए आवेदन पर कार्रवाई कर सकते हैं।

क्या कहते हैं बीडीपीओ

इस संदर्भ में बीडीपीओ अरुण कुमार ने बताया कि उनकी ओर से कोर्ट के आदेश पर हाल ही में कई गांवों से अवैध कब्जे हटाए गए हैं। अवैध कब्जे हटाने के बाद गांव के रास्ते चौड़े व खुले नजर आएंगे। वहीं कृषि एवं बंजर की जमीन भी खुली दिखाई देगी।

जिला में मंजूर हुए 6 नए उप स्वास्थ्य केंद्र एवं एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ एवं सतनाली क्षेत्र में छह नए उप स्वास्थ्य केंद्र तथा एक नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंजूर हुआ है। इस बारे में जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया हरियाणा सरकार ने महेंद्रगढ़ एवं सतनाली इलाके को सौगात देते हुए 6 नये उप स्वास्थ्य केंद्र तथा एक नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने बारे मंजूरी दी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सेवायें देने की दिशा में यह एक सकारात्मक प्रयास है। गांव डिगरौता, गढ़ी, पालड़ी पनिहारा, खातौदड़ा, ढाढोत एवं बसई में उप स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की मंजूरी आ गई है। इलाके के बड़े गांव आकोदा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया जाएगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि इन सभी गांवों के सरपंचों के साथ तालमेल करके जल्द ही जमीन बारे प्रस्ताव करवाया जाएगा तथा इनके भवन निर्माण का बजट भी जल्द ही मंजूर करवाया जाएगा। इनके भवन निर्माण से एक दर्जन गांवों के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवायें मिलेंगी। जिससे जीवन स्तर में सुधार होगा। हरियाणा सरकार का प्रयास है कि गांव के लोगों को भी गांव में ही स्वास्थ्य सुविधा दी जा सकें। जिससे बिमारी में लोगों का पैसा एवं समय बचाया जा सके।

- एक दर्जन गांवों को होगा सीधा लाभ,आकोदा में बनेगा नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

नारनौल। सेंटर पहुंचे रविंद्र मटरू का स्वागत करते गणमान्य लोग। फोटो: हरिभूमि

जैन सेंटर दे रहा फिजियोथैरेपी सेवा लोगों को मिल रहा शारीरिक लाभ

- समाजसेवा अगर नि:स्वार्थ भाव से की जाए तो मानवता का कर्तव्य सही मायनों में निभाया जा सकता है: रविंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭|नारनौल

श्री एसएस जैन सभा एवं सेवा भारती हरियाणा प्रदेश शाखा नारनौल के तत्वाधान में राष्ट्र संत उपाध्याय अमर मुनि महाराज साहब की स्मृति में पिछले दो महीने से चल रहे जैन फिजियोथेरेपी सेंटर में रविवार को नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी रविंद्र सिंह चौधरी (मटरू) अपनी धर्मपत्नी सहित पहुंचे। यहां चल रहे जैन फिजियोथेरेपी सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को देखकर बहुत प्रसन्नता हुए।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यहां बहुत ही नाम मात्र दर पर जो सेवाएं प्रदान की जा रही है, यह हमारे नगर के लोगों के बहुत ही बहुत फायदेमंद साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि मानसिक तनाव, घुटनों, पीठ या कमर में दर्द, लकवा, हियरिंग लॉस, नींद नहीं आना, फ्रीजिंग शोल्डर जैसे कई रोगों का बिना दवा खाए या चीरा लगवाए फिजियोथेरेपी एक असरदार तरीका है।

वर्तमान में अधिकांश लोग दवाओं के झंझट से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं। दिल्ली से पधारे लकवे के मरीज गजानंद बारी ने कहा कि लकवा आने के बाद डॉक्टर्स के कहने पर दिल्ली में लगातार दो महीने तक इलाज करवाने पर जब कोई फर्क नहीं हुआ तो बेटी उसे नारनौल जैन फिजियोथेरेपी ले कर आ गई तो यह उन्हें एक महीने में बहुत आराम मिल गया है। उसी प्रकार डोहर खुर्द गांव का छह वर्षीय मनन, जो अपनी एड़ी पर खड़ा नहीं हो सकता था, वह अब यहां इलाज करवाने के बाद आराम से चल-फिर सकता है। हुडा सेक्टर एक से शिवम नाम का एक बच्चा जो सीपी का रोगी था। उसके पिता अपने बच्चे को गोदी में लेकर आते थे। इलाज के बाद अब उसको पैदल चलाने लग गए हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एसएस जैन सभा के प्रधान प्रेमचंद जैन, सेवा भारती के शाखा अध्यक्ष अशोक सिंघल, अश्विनी कटारिया, नीरज अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजेंद्र जैन, नितिन जैन, मुकेश जैन, सुनील, आदिश, सुमनकांत चुग, सुनील चुग, शिव रतन, डॉ. दीपक सहरावत, नितिन गर्ग, मनीष जैन, किशोरी ठेकेदार, अशोक सैनी, सचिन, अनु अग्रवाल, मीतू जैन एवं अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अगले 3 महीने जनसंपर्क व जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष ही कांग्रेस का एकसूत्री कार्यक्रम

लोकसभा में हाफ करने के बाद विधानसभा से बीजेपी को साफ करने का मिशन : हुड्डा

- 6000 पेंशन, ओपीएस, दो लाख पक्की नौकरी, 100 गज के प्लॉट, 300 यूनिट मुफ्त बिजली देगी कांग्रेस : हुड्डा
- कांग्रेस ने हरियाणा को बनाया विकास में नंबर वन, बीजेपी ने बनाया क्राइम स्टेट: हुड्डा
- अहीरवाल से वोट लेकर हमेशा बीजेपी ने दिया इलाके को धोखा: चौ. उदयभान
- अग्निवीर योजना लागू करके बीजेपी ने किया अहीरवाल के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ : चौ. उदयभान

हरिभूमि न्यूज ⏭|नारनौल

नारनौल। पूर्व सीएम हुड्डा के सामने चुनाव लड़ने के दावेदारों के समर्थक शक्ति प्रदर्शन करते हुए।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हाफ करने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश से बीजेपी को पूरी तरह साफ करने का मिशन शुरू कर दिया है। जबतक ये मिशन पूरा नहीं होगा, कांग्रेस का एक भी नेता व कार्यकर्ता घर नहीं बैठेगा। अगले तीन महीने सिर्फ और सिर्फ जनसंपर्क और जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष ही हमारा एकसूत्री कार्यक्रम है।

ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा रविवार नारनौल के सीएल फार्म हाउस में धन्यवाद कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने यहां पहुंचे थे। इस दौरान हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान, लोकसभा प्रत्याशी रहे राव दानसिंह और पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं के साथ हजारों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 10 साल बीजेपी ने अहीरवाल की भयंकर अनदेखी की है। विकास कार्यों से लेकर पानी तक हर मसले पर बीजेपी ने इलाके की मांगों को नजरअंदाज किया है। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने विकास में नंबर वन रहे हरियाणा को क्राइम स्टेट बनाकर रख दिया है। बदमाश इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वो जिससे मर्जी फिरौती मांगते हैं और जिसको मर्जी गोली मार देते हैं। हुड्डा ने ऐलान किया कि कांग्रेस सरकार बनने पर हरेक बुजुर्ग को 6000 रुपये पेंशन दी जाएगी। कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ मिलेगी।

जनता को महंगाई से राहत देने के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 500 में गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। बीजेपी ने प्रदेश के युवाओं को बेरोजगारी और भर्ती घोटालों के अंधकार में धकेल दिया है। उन्हें वहां से निकालने के लिए खाली पड़े दो लाख से ज्यादा पदों पर पक्की भर्तियां की जाएंगी। पेपर लीक और भर्ती माफिया का सफाया करके योग्यता अनुसार मेरिट के आधार पर साफ-सुथरी भर्तियां की जाएंगी। हरियाणा में भी राजस्थान की कांग्रेस सरकार की तर्ज पर 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की योजना लागू की जाएगी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस की जिन कल्याणकारी योजना को बीजेपी ने बंद कर दिया था, उन्हें फिर से शुरू करते हुए गरीब, एससी और ओबीसी परिवारों को 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट और उसपर दो कमरे के मकान दिए जाएंगे। साथ ही पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का पूर्ण लाभ देने के लिए क्रीमी लेयर की लिमिट को आठ से बढ़ाकर 10 लाख किया जाएगा। बीजेपी ने लिमिट को आठ लाख से घटाकर छह लाख किया था, जिससे ओबीसी वर्ग का आरक्षण लगभग खत्म हो गया।

राव इंद्रजीत सिंह पर कसा तंज

इस दौरान चौधरी उदयभान ने कहा कि बीजेपी ने अहीरवाल से वोट लेकर हमेशा उसे धोखा दिया है। अहीरवाल के एक बड़े नेता 10 साल पहले मुख्यमंत्री बनने की चाह में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में गए थे, लेकिन आज बीजेपी में जाकर ना सीएम बन पाए और ना ही कैबिनेट मंत्री। बीजेपी ने उन्हें पूरी तरह हाशिए पर धकेल रखा है और भविष्य की उम्मीदों को भी धूमिल कर दिया है। अब अमित शाह ने भी ऐलान कर दिया है कि बीजेपी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तो नायब सैनी ही रहेंगे।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ विधायक राव दानसिंह, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र राव, पूर्व सीपीएस अनीता यादव, पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अतेंद्र यादव, सेवानिवृत्त जज राकेश यादव, सृजन यादव, संजय पटीकरा, रिटायर्ड आईएएस विनय यादव, वरिष्ठ नेता सत्यपाल दहिया, शीशराम एडवोकेट, प्रदीप यादव, बिनोद भील सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

एसएससी सीजीएल के लिए आवेदन शुरू 24 जुलाई तक भरे जा सकेंगे फॉर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭|नारनौल

कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) के 17,727 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। एसएससी ने वेबसाइट पर अधिसूचना जारी करके ऑनलाइन आवेदन चौबीस जुलाई तक मांगे है तथा पच्चीस जुलाई की रात 11 बजे तक फीस जमा की जा सकेगी और फार्म में संशोधन 10 से 11 अगस्त को किया जा सकेगा। एसएससी-सीजीएल के जरिए केंद्र सरकार के मंत्रालय, विभागों, कार्यालयों में ग्रुप बी और सी के पदों को भरा जाएगा।

- पच्चीस जुलाई की रात 11 बजे तक जमा की जा सकेगी फीस
- 10 से 11 अगस्त को किया जा सकेगा फार्म में संशोधन
- केंद्र सरकार के मंत्रालय, विभागों, कार्यालयों में ग्रुप बी और सी के पदों को भरा जाएगा

34 पदों के लिए 17,727 रिक्तियों पर होगी भर्ती

इन पदों में ग्रुप-बी के तहत असिस्टेंट सेक्शन आफिसर, इंस्पेक्टर सेंट्रल एक्साइज, इंस्पेक्टर प्रिवेंटिव आफिसर, इंस्पेक्टर एग्जामिनर, असिस्टेंट इनफारेसमेंट आफिसर, सीबीआइ और एनआइए में सब इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स ब्यूरो में सब इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट और ग्रुप-सी के तहत आडिटर, अकाउंटेंट, टैक्स असिस्टेंट सहित कुल 34 पदों के लिए 17,727 संभावित रिक्तियों पर भर्ती होगी। आवेदन के लिए उम्र सीमा 18 से 32 वर्ष निर्धारित है। एससी-एसटी, ओबीसी और दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी गई है। ग्रुप-बी और सी पदों पर मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक डिग्री लेने वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। सीजीएल टियर-1 परीक्षा सितंबर-अक्टूबर में और टियर-2 परीक्षा दिसंबर में होगी। टियर-1 परीक्षा 200 अंकों की होगी। इसमें 100 प्रश्न होंगे। जनरल इंटेलीजेंस एंड रीजनिंग, जनरल अवेयरनेस, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, इंग्लिश कांप्रिहेंशन में 25-25 प्रश्न होंगे। गलत उत्तर पर आधा नंबर काटा जाएगा।

गांव झगड़ौली, अगिहार व रिवासा में पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा

जोहड़ के ओवरफ्लो होने वाले पानी से की जाएगी खेती

- जल्द जोहड़ के समीप लगाया जाएगा सोलर सिस्टम, गंदे पानी को फिल्टर के बाद पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाया जाएगा खेतों में
- सरकार की ओर से गांव निंबी, भांडोर ऊंची देवास व मोहनपुर गांव के प्रस्ताव को भी मंजूरी जल्द विभाग करेगा कार्य शुरू

महेश कुमार ⏭|महेंद्रगढ़

गांवों में ओवरफ्लो होने से जोहड़ से पानी को अब खेती के इस्तेमाल किया जाएगा। मिकाड़ा विभाग की ओर से तीन गांवों में पाइपलाइन बिछाने सहित अन्य कार्य पूरे कर दिए हैं। जल्द सोलर सिस्टम लगाने का पूरा किया जाएगा तथा जुलाई माह से ही किसानों को खेती के लिए पानी मिलना शुरू हो जाएगा।

बता दें कि क्षेत्र के कई गांवों के जोहड़ अक्सर ओवरफ्लो होते रहते हैं। इससे न केवल ग्रामीणों को परेशानी होती है, बल्कि लोग अनेक बीमारियों को भी शिकार होते हैं। ऐसे में मिकाड़ा विभाग की ओर से ग्रामीण अंचल में स्थित गंदे पानी के जोहड़ का अब सुंदरीकरण किया जाएगा। विभाग की जोहड़ के समीप सोलर सिस्टम लगाकर इस पानी का साफ किया जाएगा। इसके बाद पाइपलाइन के माध्यम से खेतों में किसानों के लिए सिचांई के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग की ओर से झगड़ौली, अगिहार व रिवासा गांव में करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा कर दिया है। जुलाई माह के अंत में किसानों को खेती के लिए पानी मिलना शुरू हो जाएगा।

महेंद्रगढ़। गांव रिवास में विभाग की ओर सोलर सिस्टम लगाने के लिए की गई तारबंदी। फोटो: हरिभूमि

80 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा

एसडीओ बिजेंद्र यादव ने बताया कि गांव झगड़ौली, रिवासा व अगिहार में 80 प्रतिशत कार्य पूरा चुका हैं। जल्द ही जोहड़ के समीप पानी को साफ करने के लिए सोलर सिस्टम लगाकर किया जाएगा। जुलाई माह में किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलना शुरू हो जाएगा। सरकार की ओर से गांव निंबी, भांडोर उंची, देवास व मोहनपुर गांव जोहड़ के ओवरफ्लो पानी खेती के उपयोग करने के कार्य मंजूरी मिल गई हैं। जल्द ही सभी कागजी कार्रवाई पूरी कर कार्य शुरू किया जाएगा।

जोहड़ के समीप सोलर सिस्टम लगाने का कार्य होगा शुरू

मिकाड़ा विभाग की ओर से करीब 42 लाख रुपये की लागत से गांव झगड़ौली में किया जा रहा हैं। गांव के किसान जोहड़ के ओवरफ्लो होने पानी से करीब 65 एकड़ में खेती कर सकेंगे। वहीं में अगिहार में 38 लाख रुपये की लागत से 52 एकड़ तथा गांव रिवासा में 30 लाख रुपये की लागत से 50 एकड़ में किसान ओवरफ्लो पानी से सिंचाई करेंगे। विभाग की ओर से पाइपलाईन बिछाने सहित अन्य कार्य कर पूरे कर दिए गए हैं। अब विभाग की ओर से जोहड़ के समीप सोलर सिस्टम लगाकर जोहड़ के गंदे का साफ करने का कार्य शुरू किया जाएगा।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। फोटो: हरिभूमि

हकेंवि को आईआईआरएफ रैंकिंग में मिला 26वां स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭|महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में देश के शीर्ष 50 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 26वां स्थान मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सहभागियों को बधाई दी और उनके सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय को यह रैंक विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट, अध्ययन-अध्यापन संसाधनों के विकास, अनुसंधान आदि के आधार पर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कुलपति ने सभी सहभागियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में विभिन्न मोर्चों पर गुणवत्ता को और बढ़ाने तथा बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस सफलता के लिए अधिकारियों, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों व सहभागियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

डर रखने से हम अपनी ज़िंदगी को बढ़ा तो नहीं सकते. डर रखने से बस इतना होता है कि हम ईश्वर को भूल जाते हैं, इंसानियत को भूल जाते हैं.ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ धन तो है लेकिन सम्मान नहीं|

- विनोबा भावे

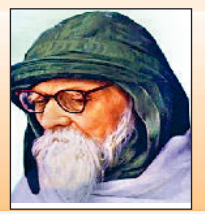

गतांक से आगे

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।
रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

कृति ने चाय को गले से उतारा और स्टीम लेने लगी। वैभव वहीं खड़ा था।

'तुम जाओ...बीमार हो जाओगे...जाओ प्लीज।' कृति ने जोर देकर कहा।

'मैं ठीक हूँ। सुबह कोरोना का टेस्ट होगा हमारा। तुम रिलेक्स रहना कृति।' वैभव उसे समझाते हुए बोला। कृति ने हाँ में सिर हिलाया। थोड़ी देर में वह फिर से सो गई। कोरोना के लक्षण अभी इतने नहीं दिखाई दे रहे थे, लेकिन वैभव डर गया। कृति के मायके फोन कर खबर देने के बाद वैभव ने सारे घर को सेनिटाइज किया। चाय का कप लेकर कृति के कमरे के बाहर ही बैठ गया। कृति बीच बीच में खाँस रही थी और बेचैनी से अपने सीने को रगड़ रही थी। अस्पताल ले जाना खतरनाक था, क्योंकि अस्पताल से आती मौत की खबरों ने दहशत मचा रखी थी। वैभव की आँखों में नींद नहीं थी। वह एकटक कृति को देख रहा था। कृति बार बार अपनी गर्दन पर हाथ फेर रही थी। बाहर फैला काला स्याह सन्नाटा कोरोना के साथ मिलकर सबके दिलों से खेल रहा था जैसे 'पा...पानी' कृति के होंठ बुदबुदाए।

वैभव भागकर फ्लास्क में से गुनगुना पानी निकाल कर कृति के होंठों से लगा देता है। लिटाकर टेम्प्रेचर लेता है। बुखार कुछ कम हुआ था, लेकिन अब भी एक सौ दो पर अटका था।

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।

रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। धीरे धीरे नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है। रात अब भी जाग रही थी। स्याह काले सन्नाटे के साथ बीच बीच में पुलिस की गाड़ी की आवाज़ सुन यह सन्नाटा कहीं दुबक जाता, लेकिन गाड़ी के गुजरते ही बेशर्मी से ठठाकर हँस पड़ता। शहर के घरों में कैद जिन्दगियां एक दूसरे से दूरी बनाएं एक दूसरे की सलामती की दुआएँ कर रही थी।

कोरोना ने लोगों के पैरों को तोड़ दिया था जैसे वह अपने पैरों की रफ्तार थाम चुके थे, लेकिन दिमाग में चलते विचार भविष्य के अंधकार को दिखा रहे थे। सूरज अपने समय पर उगा। खिड़की से आती सूरज की रोशनी कृति के चेहरे पर पड़ने लगी। वह नींद से जाग जाती है। शरीर में टूटन थी। सहारा ले बिस्तर से उठती है और बाथरूम में घुस जाती है। वैभव दरवाजे के पास ही जमीन पर बेखबर सो रहा था। बाथरूम से बाहर आकर कृति की नजर जमीन पर लेटे वैभव पर पड़ती है। वह कसमसा कर रह जाती है। अपने शरीर में दो कदम चलने की हिम्मत भी कृति से नहीं हो रही थी। साँस लेने में उसे तकलीफ होने लगी। वह वैभव को बुलाना चाहती थी, लेकिन खाँसी के तेज उफान से यह नहीं हो सकता था। उसके खाँसने की आवाज़ से वैभव की नींद टूट जाती है वह हड़बड़ा कर उठता है और देखता है कि कृति बिस्तर पर सिकुड़ कर लेटी हुई है। वह अपने मुँह पर मॉस्क ठीक करता है और उसके पास जाकर उसे सीधा करता है। कृति गले में रुकावट का इशारा करती है। वैभव गुनगुना पानी उसके गले में उतार देता है। कृति को राहत महसूस होती है।

वैभव की घबराहट कृति के लिए बढ़ती जा रही थी। वह लगातार व्हाट्सएप पर ऑक्सीजन सिलेंडर के इंतजाम के लिए मैसेज कर रहा था। ऑक्सीमीटर ऑर्डर कर वैभव कोरोना हेल्पलाइन सेंटर में कॉल कर कृति की स्थिति बताता है। वहाँ से वैभव को कुछ निर्देश मिलते हैं। कोरोना टेस्ट के लिए पीपीई किट पहने दो लोग आए और उनका सैंपल ले गए। मौत का भय कैसे मस्तिष्क को शून्य कर देता है यह वैभव और कृति महसूस कर रहे थे। बिस्तर पर पड़ी कृति वैभव की उसके लिए चिंता साफ महसूस कर रही थी। प्यार जो स्याही सोखते की तरह कहीं सारी भावनाओं को सोख रहा था एक बार फिर वापस तरल होने लगा। घर के काम और कृति की देखभाल में वैभव भूल गया था कि कृति उसके साथ बस कुछ दिनों के लिए है। ऑक्सीमीटर से रोज ऑक्सीजन नापने से लेकर कृति को नहलाने तक का काम वैभव कर रहा था और कृति उसके प्रेम को धीरे धीरे पी रही थी। मन में अजीब सी ग्लानि महसूस कर कृति अक्सर रो देती लेकिन वैभव के सामने सामान्य बनी रहती। कृति तकलीफ में थी। मन से भी और शरीर से भी, लेकिन उसके अपनों ने उससे दूरी ही रखी। शायद भय था कि कहीं कृति उनसे कोई मदद न माँग ले। वैभव कोरोना को लेकर ऑनलाइन सर्च करता रहता। कृति के इलाज के साथ सावधानी और उसकी डाइट पर वैभव कोई लापरवाही नहीं करना चाहता था। दिन बीत रहे थे और कृति तेजी से रिकवर कर रही थी, लेकिन कमजोरी इतनी थी कि वह खुद के काम करने में भी सक्षम महसूस नहीं कर रही थी। बॉलकनी में कुर्सी पर बैठी कृति शहर के सन्नाटे को महसूस कर रही थी। आस पास के फ्लैट्स की बॉलकनी के दरवाजे कस कर बंद पड़े थे। शायद सबको उसका कोरोना पॉजिटिव होना पता चल गया था। इंसानों के बीच आई यह दूरी कितनी पीड़ादायक थी। वह अपने ख्यालों में खोई थी कि रसोई से आती तेज आवाज़ से उसका ध्यान भंग हुआ। वह दीवार का सहारा लेकर कमरे से बाहर निकली। रसोई में वैभव अपना हाथ झटक रहा था। फर्श पर दूध का बरतन पड़ा था जिसमे से भाप उठ रही थी। माजरा समझते उसे देर न लगी वह बेचैनी से चिल्लाई, 'वैभव ठंडा पानी डालो हाथ पर. जल्दी करो वैभव!' 'ठीक है...लेकिन तुम जाओ आराम करो परेशान न हो।' वैभव ने फ्रीज खोलते हुए कहा। 'अभी भी मेरी चिंता कर लो! ठीक हूँ मैं. अपना हाथ दिखाओ।' वह चिल्लाई। वैभव का हाथ लाल हो गया था। 'क्या किया तुमने ये! हाथ से बरतन उठा रहे थे क्या? बरतन गरम है यह तो देख लेते!' कृति गुस्से से बोली। 'मेरी चिंता मत करो.वैसे भी अकेले ही रहना है मुझे।' अपनी हथेली को कृति की हथेलियों से.छुड़ाकर वह बोला। 'तो तुम क्यों चिंता कर रहे थे मेरी! रातदिन मेरे लिए दौड़ रहे हो। मेरे लिए अपनी नींद खो रहे हो। मरने देते मुझे।' कृति की आवाज़ में दर्द था। 'प्यार करता हूँ तुमसे। तुम्हारे लिए तो जान भी दे सकता हूँ!' वैभव न कहा।

'तो क्यों नहीं मुझे रोक लेते!' सुबकते हुए कृति बोली। 'मैंने तो कभी तुमसे दूर होने की कल्पना नहीं की .तुम ही मुझसे नफरत करती हो!' वैभव रसोई के फर्श पर बैठ गया। 'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने सिर्फ यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।

> *'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।*

कृति खामोश हो नीचे बैठ गई। उसकी आँखों से बहता पानी अपनी गलती का एहसास करा रहा था। वैभव उसके गालों पर आँसू देख परेशान हो गया। 'तुम रो क्यों रही हो कृति! देखो अभी तुम्हारी तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं। साँस लेने में दिक्कत हो जायेगी।' वैभव बोला। 'कुछ नहीं होगा मुझे। इस कॉरोना संक्रमण ने मेरे शक के संक्रमण को मार दिया है वैभव। मुझे माफ कर दो मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। तुम्हें किसी और के करीब देख मेरी चेतना शून्य हो गई थी। मैं ईर्ष्या में गलती कर गई। तुम्हारा अपमान किया तुम पर आरोप लगाए.मुझे माफ कर दो वैभव।' कृति हाथ जोड़कर बिलखने लगी।

'तुम्हारी आँखों में अपने लिए नफरत देख मैं कितना तड़पा हूँ तुम नहीं समझ सकती। अब ऐसे रोकर मुझे और तड़पा रही हो। कैसे सोच लिया था तुमने कि तुम्हारे बिना मैं जिन्दा रह पाता. मर जाता मैं मर जाता।' इतना कहकर वैभव ने कृति को बाँहों में भींच लिया। दोनों के आँखों से बहता पानी प्रेम के सागर को और गहरा करने लगे.अगली तारीख पर अपना फैसला सुनाने के लिए कृति ने वैभव के सीने से लिपट गई।

(समाप्त)

रागनी | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

झूँठ कपट छल बेईमाने तै हर मानस लाचार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

राजनीति में झूठे नेता बैठे हैं दरबारों म्हैं
प्रजा हित प्रस्ताव गल जाते अखबारों म्हैं
नकली चीज़ बजारों मै,असली पर तकरार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

मन्दिर अन्दर भगवान बणगे देख पुजारी
ईष्ट देव से ज्यादा देखों चेली लाग प्यारी
सत्संग के म्हा रहीं नाच कुंवारी सब तरह सिंगार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कपटी तो सरपंच बेईमान सब पचं बणे
चन्दा करकै खा जाते कई तरह के मचं बणे
ये डिनर कहीं लंच बणे ना खाणे लायक आहार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कुत्ते केसा सुभा आदमी काटण खातर दौड़
सास ससुर देवर जेठ का आज बहु सिर फौड़
महेन्द्र सिंह रागनी जोड़ बिलोट भण्डार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कविता | मनीषा मंजरी

वियोग

ये कालिमा कैसी है, जिसमें तारे भी विलीन हो गए हैं,
अँधेरा है ये अंतरिक्ष का या दीये मन के बुझ गए हैं।
इंद्रधनुष है ये कैसा, रंग जिसके मिट गए हैं,
रंगहीनता है ये आकाश की, या रौशनी आँखों से छीन गए हैं।
अम्बर है ये कैसा, विस्तृतता पर जिसके पहरे लग गए हैं,
संक्षिप्तता है ये नीलाम्बर की, या सपने खुद में सिमट गए हैं।
गहराई है ये कैसी, जिसमे सागर उथल गए हैं,
छिछलापन है ये समंदर का या, दर्द पलकों से टपक गए हैं।
ये खामोशी कैसी है, जिसमें शोर सारे हीं थम गए हैं,
शून्यता है ये ब्रह्माण्ड की, या निःशब्दिता से होंठ सिल गए हैं।
ये मेले हैं कैसे, जिसमें एकाकी व्यक्तित्व भटक गए हैं,
अभाव है ये भीड़ का या, दलदल में तन्हाई के रूह धंस गए हैं।
ये खेल है कैसा, जिसमें पराजित से हो गए हैं,
बेवफाई है ये मोहरों की, ये भाव विजय के हमसे मुकर गए हैं।
ये भागमभाग है कैसी, जिसमें कदम ठहर गए हैं,
ठहराव है ये सफर का या, विरक्त शख्सियत से हम हो गए हैं।
ये विरह है कैसा, जिसमें चेहरे तक बादलों के हो गए हैं,
इंतजार है ये अनंत का या अनन्तता में यादों की हम बिखर गए हैं।

कहानी | रविंद्र बत्रा

दस रुपये

सब्जी लेने जैसे ही रमन उस मार्केट में पहुंचा, देखा एक पहलवान टाइप लड़का एक सब्जी वाले की रेहड़ी को उल्टाने की कोशिश कर रहा था। सब्जीवाला भी उसे चुनौती देते हुए कह रहा था, उल्टा दो, सड़क के बीच में उल्टा दो। रेहड़ी पर आलू, प्याज और टमाटर थे। जाहिर है रेहड़ी के उलटने से काफी नुकसान होना था। दोनों का अहम अपनी चरम सीमा पर था। पहलवान लगभग रेहड़ी को उल्टाने ही वाला था। रमन आमतौर पर दब्बू किस्म का आदमी था बस अपने काम से काम रखना। जहां बच सके, दो पैसे बचाना। कभी-कभी वह एक कप चाय भी इसलिए नहीं पीता था, कि दस रुपये बच जाएंगे और बच्चों के काम आएंगे, पर पता नहीं क्या सोचकर रमन एक क्षण के लिए वहां खड़ा हो गया। अपने कमजोर शरीर और पहलवान की कद-काठी से डरते-डरते भी, उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'मुझे तुमसे बात करनी है।' पहलवान थोड़ी अकड़ दिखाते हुए बोला, 'यही बताओ, जो बताना है।' रमन उसके कान के पास जाकर धीरे से बोला, 'क्यों किसी गरीब आदमी की आह लेते हो। क्या बात हो गई। इसमें कोई गलती की है तो मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं।' पहलवान बोला, 'मुझसे बदतमीजी से बात कर रहा था। एक तो मेरी दुकान के आगे रेहड़ी लगाई हुई है, ऊपर से दस रुपये कम करने के लिए कहा तो बकवास भी कर रहा है।' रमन बोला, 'मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं, कोई बात नहीं। गरीब आदमी है। उसकी बद्दुआ मत लो।' पहलवान के कान में बात करते हुए रमन ने महसूस कर लिया, उसने शराब भी पी रखी है। एक पहलवान ऊपर से शराब का उन्माद। उलझने में पिटने का खतरा भी हो सकता था। रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'भैया ऐसा करो इसकी दुकान के आगे से रेहड़ी हटा लो। मैं कहीं और लगवा देता हूं।' रमन उसकी सब्जी की रेहड़ी को पीछे कर रहा था, तभी पहलवान ने इशारे से रमन को अपने पास बुलाया। रमन के सारे शरीर में किसी अनहोनी की आशंका से सिरहन दौड़ गई। रमन जैसे ही उसके पास पहुंचा वह पहलवान उसकी तरफ थोड़ा झुकते हुए बोला, 'मेरा सामान उसके पास तुला पड़ा हैं। यह लो सौ रुपये वह अस्सी मांग रहा है, मैं साठ कह रहा हूं। जितने ले दे देना।' रमन ने रेहड़ी वाले से पूछा, 'कितने का सामान है बोला अस्सी का है, सत्तर दे दो।' रमन बोला, 'वह साठ कह रहा है, आप साठ ही काट लो। पागल सा लग रहा है, शराब भी पी रखी है। अगर आपको घाटा हो रहा है तो दस रुपये मुझसे ले लेना।' रेहड़ी वाले ने साठ रुपये काटकर बाकी पैसे रमन को लौटा दिए। रमन ने सब्जी की थैलियां और पैसे लिए और पहलवान को पकड़ा दिए। अचानक वह पहलवान रमन के पैरों की तरफ झुक गया और पैर छूते हुए बोला 'सॉरी'। अचानक हुई इस घटना से अचंभित रमन की आंखें भीग गई। इधर इस दौरान इस सब्जी वाले की रेहड़ी की जगह पर किसी अन्य रेहडी वाले ने अपनी रेहड़ी लगा ली। रमन ने उससे अनुरोध किया, 'भैया आप रेहड़ी को थोड़ी परे कर लो, इसको यहां लगाने दो। इसकी रेहड़ी यही लगी हुई थी। झगड़ा हो रहा था तो मैंने इसे पीछे करवाया था।' हालांकि वहां दोनों रेहड़ियों की जगह बन सकती थी, लेकिन अब आया रेहड़ी वाला, अपनी रेहड़ी को साइड में करने को तैयार नहीं था। तभी थोड़ी दूर खड़ा हुआ पहलवान आया और इस नए रेहड़ी वाले को बोला, 'अबे! उसको रेहड़ी लगाने दे यहां। मैंने हटवाई थी। यह मेरी दुकान के आगे की जगह है। यह कहते-कहते उसने खुद ही अपने हाथों से उसकी रेहड़ी को वहां जगह बनाकर लगा दिया। पहलवान के जाने के बाद रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'मुझे एक किलो आलू दे दो और सुनो अगर तुम्हें घाटा हुआ है तो मेरे पैसो में से दस रुपये काट लो।' सब्जी वाले ने आलू दिए और रमन के पैसों में से दस रुपये ज्यादा काट लिए। जब रमन घर की तरफ जा रहा था उसके मन में अजीब सा द्वंद था। एक पहलवान था, जो अपनी गलती मान कर उसके पैर छूकर गया था। एक सब्जी वाला था, जिसकी रेहड़ी पलटने से रमन ने बचाया था और जिसने एक बार भी यह नहीं कहा की यह दस रुपये रहने दो, जो आप अपनी जेब से दे रहे हो। कौन सही था, कौन गलत फैसला करना बहुत मुश्किल था।

साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य पथ-प्रदर्शक भी है। आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं। इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलू है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

सामाजिक संस्कारों में साहित्य की अहम भूमिका: राजश्री

साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं से समाज को नई दिशा देते आ रहे हैं। गद्य व पद्य दोनों ही शैलियों में साहित्य सृजन करने वाले साहित्यकारों में हर किसी लेखक का ध्येय यही है कि उनकी रचनाएं समाजिक बुराइयों को उजागर करके समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति के साथ संस्कारों को संजोने वाले ऐसे साहित्यकार और लेखकों में हरियाणा की महिला रचनाकार भी पीछे नहीं हैं। ऐसी ही महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। रचनाकार और कवयित्री राजश्री गौड़ ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिससे साहित्य के बिना सामाजिक संरचना अधूरी है।

राजश्री का जन्म पलवल जिले की तहसील हथीन में 24 नवम्बर, 1956 को एक शिक्षित और समृद्ध परिवार पं. चिन्तामणि पाराशर व जय देवी के घर में हुआ। उनके बाल्यकाल के दौरान ही उनका संयुक्त परिवार सोनीपत में आकर बस गया, इसलिए उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा सोनीपत में ही हुई। उनके पिता कुश्ती, कबड्डी व वालीबॉल के खिलाड़ी थे, लेकिन दादा के देहावसान के कारण उन्हें पैतृक काम ज्वैलरी और जवाहरात का बिजनेस संभालना पड़ा। राजश्री की प्रारंभिक शिक्षा आर्या गर्ल्स स्कूल में हुई और उन्होंने हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत से बी.ए. और बीएड किया। इसके बाद एम.ए. (हिन्दी) में दाखिला लिया, लेकिन किन्हीं कारणों से पूरी नहीं हो सकी। अपने शिक्षित परिवार में उन्होंने दादी को गीता और रामायण तथा माँ को भजन गुनगुनाते घर के काम करते देखा, तो वहीं उनके पिता का साहित्य से बहुत लगाव था, जो हमेशा सोने से पहले शरतचंद्र, बिमल मित्र व मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पढ़ते थे। वहीं घर में पत्र पत्रिकाएं भी आती थी, जिनमें से पिताजी उन्हें कविताओं को कंठस्थ कराते थे और शनिवार को स्कूल में होने वाली बालसभाओं में वह कविताएं सुनाती थी। ऐसे में साहित्य के प्रति रुचि स्वाभाविक ही था। मसलन बचपन में ही उन्होंने रचनाओं के रूप में लेखन कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि वास्तविक रूप से उनका लेखन कार्य कालेज की शिक्षा के दौरान साल 1972 से शुरू हुआ और कालेज की मैगज़ीन में उनकी कविता छपी, जबकि भोपाल से प्रकाशित एक अखबार में 20 जनवरी 1984 को गणतंत्र दिवस परिशिष्ट में उनकी कविता छपी तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन नवंबर 1978 में विवाह के बाद परिवार की जिम्मेदारी सर्वोपरि रही और लेखन नगण्य सा हो गया। बाद में पति व बच्चों के प्रोत्साहित करने पर फिर लेखन कार्य ही शुरु नहीं किया, बल्कि कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ गई।

राजश्री गौड़ का आधुनिक युग में हिन्दी साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता को लेकर कहना है कि आरंभ में जहां पद्यात्मक शैली में साहित्य की रचनाएँ की गई, जिसके बाद बदलते समय-काल के अनुसार काव्य, गद्य में कहानी, एकांकी, लेख, उपन्यास लघुकथा और राष्ट्रवादी रचनाओं में राजनीतिक प्रभाव नजर आने लगा है। इसके बावजूद आज भी स्वस्थ साहित्य का विशेष स्थान है और रहेगा। इसका कारण है कि साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और पथ-प्रदर्शक भी है। बेशक आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं, लेकिन पाठक कम नहीं हैं। इस इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलु है। यह भी सच है कि सोशल साइट्स पर साहित्य के अलावा देश दुनिया की बहुत सारी चीजें, मिल जाती हैं। इस आधुनिकीकरण की दौड़ में संस्कृति और संस्कारों में कमी होती नजर आ रही है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति स्कूल व कालेज स्तर पर भी प्रेरित करने की ज्यादा जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ की प्रकाशित 15 पुस्तकों में 12 साझा संग्रह और 3 एकल काव्य-संग्रह शामिल हैं। उनके काव्य संग्रह में 'धनक', ग़ज़ल-संग्रह 'तुमको भुलाया कहाँ है' और 'मत कहो जिन्दगी थमी है' शामिल है। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशन हेतू पांडुलिपि तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में ई काव्य संकलन भी लिखा, वहीं ई-लघुकथा संकलन में हरियाणा के प्रमुख लघुकथा कार भी शामिल है। इसके अलावा उनकी पुस्तकों की लेखन विधा में कविता, ग़ज़ल, लेख, व्यंग्य लेख, लघुकथा, कहानी, बाल कविताएं भी शामिल हैं। कविता-कोश, साहित्य-पीडिया, क़ागज-दिल.कॉम पर भी उनकी रचनाएं उपलब्ध हैं।

राजश्री गौड़

पुरस्कार व सम्मान

राजश्री गौड़ को हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रमुख रूप से उन्हें नारी गौरव सम्मान, श्रेष्ठ हिन्दी रचनाकार सम्मान, प्रेम-काव्य सम्मान, भारत के प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान, साहित्य-शिरोमणि सम्मान, सिद्धि साहित्य सम्मान, जैमिनी अकादमी सम्मान, भारत गौरव सम्मान के अलावा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, जिया साहित्य मंच बैंगलोर, हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी भोपाल, कागज-दिल साहित्य संस्था और जैमिनी साहित्य अकादमी पानीपत आदि साहित्यिक मंचों से पुरस्कार के साथ सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: राजश्री गौड़
जन्मतिथि: 24 नवम्बर, 1956
जन्म स्थान: हथीन, जिला पलवल(हरियाणा)
शिक्षा: बीए, बीएड (हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत)
सम्प्रति: समाज सेवा, स्वतंत्र लेखन
संपर्क: सेक्टर-15, सोनीपत हरियाणा।

साहित्य एवं साहित्यकारों से रूबरू कराती पुस्तक

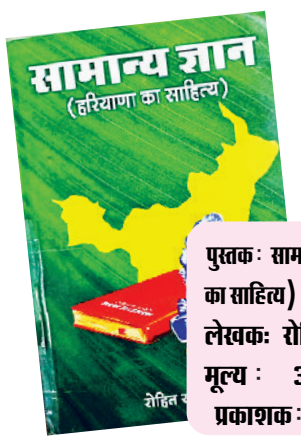

पुस्तक: सामान्य ज्ञान (हरियाणा का साहित्य)
लेखक: रोहित यादव
मूल्य: 300 रुपये
प्रकाशक: अनिल प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

जिस तरह से अध्यापक बच्चों को पढ़ाकर शिक्षा की लौ जगाता है और देश का भविष्य गढ़ता है, उसी तरह से साहित्यकार भी अपना दायित्व निभाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से समान को नई दिशा देता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से नई सोच का भी सृजन करता करता है।

समाज के प्रति अपनी यह जिम्मेदारी रोहित यादव ने बखूबी निभाई है। यूं तो उन्हें साहित्य की हर विधा में महारत हासिल है। रोहित यादव की हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक पाँच दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैंदोहा, कुंडली, कविता, कहानी और लघुकथा समेत हर विधा में अपनी लेखनी से साहित्य को समृद्ध किया है, लेकिन यह पुस्तक अपने आप में नया प्रयोग है।

रोहित यादव की पुस्तक सामान्य ज्ञान (हरियाणा साहित्य) प्रदेश के साहित्य और साहित्यकारों से रूबरू करवाती है। यह वास्तव में अनुपम कृति है। पुस्तक को प्रश्नोत्तर की शैली में तैयार किया गया है। इसमें लगभग साढ़े 800 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए उनकी हर जिज्ञासा को शांत करती नजर आती है यह पुस्तक।

रोहित यादव का प्रशोत्तर के रूप में पुस्तक को प्रकाशित करने का विचार भी अलग है। इतना ही नहीं लोक साहित्य और साहित्यकारों का उल्लेख ही नहीं किया है बल्कि उनकी कृतियों से भी परिचित करवाया है जो पुस्तक को और विशेष बनाता है। जैसा कि स्वयं लेखक ने भी अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है। हरियाणवी प्रादेशिक साहित्य एवं साहित्यकारों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करना, वर्तमान युवा पीढ़ी को इस स्पृहणीय स्थिति से अवगत कराना, शोध एवं समीक्षा के क्षेत्र हेतु आधार सामग्री उपलब्ध कराना, प्रतियोगी परीक्षार्थ रोचक, दुर्लभ व मौलिक साहित्यिक जानकारी प्रदान करना उपन्यस्त संकलन का ध्येय है।

यह कृति केवल युवा विद्यार्थियों और शोधार्थी छात्रों के लिए ही नहीं वरन कुछ साहित्यकारों के लिए भी उपयोगी साबित होगी जो कुछ तथ्यों को कदाचित भूल गए होंगे। उन्हें लेखक ने पुस्तक में प्रकाशित करके फिर से उनकी स्मृति पटल पर ला दिया है।

पुस्तक की भाषा शैली चिर परिचित अंदाज में सहज एवं सरल है। महत्वपूर्ण सामग्री के चलते पुस्तक संग्रहणीय बन पड़ी है।

खबर संक्षेप

झुग्गी बस्ती से किशोरी लापता, मामला दर्ज

लोहारू। उपमंडल के एक गांव में झुग्गी बस्ती में रहने वाली प्रवासी किशोरी लापता हो गई। जिसकी शिकायत किशोरी के पिता ने लोहारू पुलिस थाने में दर्ज कराई है। किशोरी के पिता ने बताया कि वह कई साल से परिवार के साथ झुग्गी बस्ती में रहता है। बीते दिवस उसकी 16 वर्षीय बेटी घर से लापता हो गई। उसकी तलाश भी की गई लेकिन वह नही मिली।

संदिग्ध परिस्थितियों में 41 वर्षीय व्यक्ति लापता

बाढ़ड़ा। गांव हुई से 41 वर्षीय व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने बाढ़ड़ा थाना पुलिस को शिकायत देकर उसकी तलाश करने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हुई निवासी कश्मीर ने बताया कि उसका 41 वर्षीय बेटा प्रदीप उर्फ छोटू 28 जून को सुबह दस बजे बिना बताए कहा चला गया। उन्होंने उसकी काफी तलाश कर ली लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। उसने पुलिस को शिकायत देकर उसके बेटे की तलाश करने की गुहार लगाई है।

मारपीट करने पर मामला दर्ज

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा पुलिस ने मारपीट करने पर मामला दर्ज किया है। पुलिस में दिए ब्यान में रतेरा निवासी विनोद कुमार ने बताया कि 15 मई को विनोद संजयए सुंदर, जितेन्द्र रतेरा खानक रोड पर जितु वाले होटल में खाना खा रहे थे रात करीबन पौने दस बजे सभी गांव के गोलिया नाई की दुकान के पास पहुंचे तो वहां पर फतुरीए तोताए सुखीचंद व कुछ अन्य खड़ थे और हमारी बाइक पर चलते हुए लाठी मारी और हम सभी जमीन पर गिर गए।

साली ने मारी जीजा के सिर में ईंट, जख्मी

भिवानी। गांव बिठन में स्कूटी को ले जाने से रोकने पर एक महिला ने अपने जीजा के सिर पर ईंट मारकर जख्मी कर दिया। बाद में घायल को लोहारू अस्पताल में दाखिल करवाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने की वजह से भिवानी अस्पताल रेफर कर दिया।

2360 सीट पर आए 4095 आवेदन, 5 जको जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

कॉलेजों में स्नातक के दाखिले के लिए रविवार को आवेदन प्रक्रिया समाप्त हो गई हैं। महेंद्रगढ़ के दोनों कॉलेजों में 2360 सीट पर 4095 आवेदन आए हैं। कॉलेजों में दाखिले के लिए पहली मेरिट सूची 5 जुलाई को जारी होगी। बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग की की ओर जारी शेड्यूल के अनुसार कॉलेजों को 29 मई से एक जून तक कॉलेज संबंधित ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के आदेश दिए गए थे। वहीं विद्यार्थियों को स्नातक विषय में दाखिले लेने के लिए तीन जून से 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन करने का मौका दिया गया था, लेकिन विभाग की ओर से आवेदन करने एक ओर मौका देते हुए अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून कर दी गई थी। विभाग के नए शेड्यूल के अनुसार 2 जुलाई तक आवेदन पत्रों की जांच की जाएगी। वहीं 5 जुलाई को पहली मेरिट सूची जारी की जाएगी।

बीसीए में विद्यार्थियों की रूचि अधिक, राजकीय महाविद्यालय में 40 सीट पर आए 330 आवेदन

45 आवेदन अभी लंबित

राजकीय महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. विजय यादव ने बताया कि पांच कोर्सों में 1280 सीट पर 2268 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। 761 आवेदनों का सत्यापन किया जा चुका है। 45 आवेदन अभी लंबित हैं। बीए में 600 सीट पर 1405 आवेदन, बीकॉम में 80 सीट पर 158 आवेदन, बीसीए में 40 सीट पर 330 आवेदन, बीएससी लाइफ साइंस 160 सीट पर 252 आवेदन, बीएससी फिजिकल साइंस में 400 सीट पर 583 आवेदन आए हैं। राजकीय महिला महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. मक्खन सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में 1080 सीट पर 1367 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। बीए की 720 सीट पर 774 आवेदन, बीए ऑनर्स की 40 सीट पर 21 आवेदन, बीकॉम की 160 सीट पर 102 आवेदन, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीट पर 217 ओवदन, बीएससी फिजिकल साइंस की 80 सीट पर 253 आवेदन आए हैं।

महेंद्रगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

यह रहेगा आगामी शेड्यूल

- कॉलेज द्वारा आवेदन पत्र की 2 जुलाई तक
- डिस्पले पहली मेरिट लिस्ट 4 जुलाई
- डिस्पले पहली फाइनल मेरिट सूची 5 जुलाई
- मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थी फीस भरना 5 से 9 जुलाई
- दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 10 जुलाई
- दूसरी फाइनल मेरिट लिस्ट 11 जुलाई
- मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों के दाखिले 11 से 13 जुलाई
- पहली और दूसरी मेरिट लिस्ट में शामिल बचे हुए विद्यार्थियों की फिजिकल काउंसिलिंग 17 जुलाई

हुडा सेक्टर-एक से 85वीं प्रभात फेरी का आयोजन

बिन पानी के नाव खेल रहा है, वो नसीबो से ज्यादा दे रहा है...भजनों पर झूमें श्रद्धालु

प्रभात फेरी संगठन की ओर से शहर में प्रत्येक रविवार को सुबह प्रभात फेरी निकाल वातावरण किया जाता है भक्तिमय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार सुबह छह बजे हुडा सेक्टर-एक से 85वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य यजमान अशोक अग्रवाल कारोता वाले परिवार रहे। सर्वप्रथम ठाकुरजी की पूजा अर्चना करवाकर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रभात फेरी संगठन के संस्थापक घनश्याम गर्ग ने किया।

इस अवसर पर प्रभात फेरी संगठन के सदस्य चेतन जिंदल ने श्रीकृष्ण गोबिंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा...और अनिल लक्खा ने बिन पानी के नाव खेल रहा है, वो नसीबो से ज्यादा दे रहा है.....भजनों के माधयम से उपस्थित महिलाएं और पुरुषों को नाचने के लिए मजबूर कर दिया। प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से शुभारंभ होकर अग्रसेन पार्क से हुडा के प्रमुख मार्गोंर् से होकर शुभारंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। संस्था के संरक्षक चेतन जिंदल ने बताया कि प्रभात फेरी जिस मार्ग से निकल रही थी, वहां पर नगरवासी बड़ी उत्सुकता से ठाकुर का स्वागत कर रहे थे। संस्था के सदस्य राकेश पटवारी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की एकमात्र संस्था है, जिसमें प्रभात फेरी में ठाकुरजी को अर्पित होने वाली समस्त धनराशि शहर की गौशाला में गौ माता की सवामणी में इस्तेमाल की जाती है। संगठन के वरिष्ठ सदस्य हेमू पटियाला ने बताया कि गौ माता की सेवा करने से इंसान के सभी विकार दूर होते हैं और उसके जीवन में आई हुई बाधाएं गौ माता हर लेती है एवं उसकी जीवन में खुशहाली बनी रहती है। इस मौके पर राजीव पटिकरा, चेतन जिंदल, अनिल लक्खा, हेमंत अग्रवाल, अनिल गर्ग राजकुमार चौधरी एडवोकेट, अनिल गुप्ता, जॉनी अग्रवाल, महावीर गर्ग, संजय गर्ग, सूरज अग्रवाल, मनोज गोयल, अजय गुप्ता, राजू कश्मीर, एडवोकेट रविंदर यादव, सीताराम चौबे, पवन कुमार गुप्ता, जोगिंदर अग्रवाल, सुभाष गर्ग, हरीश बंसल, बंटी, सचिन बंसल, विनय अग्रवाल, साहिल बंसल, राकेश अग्रवाल, संदीप जैन, नवीन संघी, अमित मित्तल, सुमंत बंसल, रवि बसल, ओमप्रकाश मित्तल, रविंदर बंसल, अभिषेक बंसल, संजय गोयल, आशु गोयल, विपिन अग्रवाल (बंटी), मनीष अग्रवाल, हर्ष सिंगल, हेमंत बंसल, गौतम बंसल, हेमंत गर्ग, सतीश शर्मा, सुनील शर्मा, अमित गोयल, भूपेश संघी, सुनील मराठा, विनोद मराठा, गौतम शर्मा, राजीव पटीकरा, सोमदेव शर्मा, ओमप्रकाश नागर, सुरेश मास्टर, ओम प्रकाश कोकचा, सतीश शर्मा, नवीन जैन, दीपचंद, राजकुमार, संजय कुमार, राकेश पटवारी, रजनी गर्ग, जया देवी, बबीता गर्ग, राजरानी मित्तल, पिंकी मित्तल, लक्ष्मी मित्तल, ज्योति मित्तल, रजनी मित्तल, मोनिका, सुनीता, ललित, मधु, बबिता, ममता गोयल, रश्मि गोयल, पुष्पा गोयल, अंबिका, पूजा आदि मौजूद थे।

नारनौल। प्रभात फेरी में हिस्सा लेते शहर व संगठन से जुड़े लोग। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते अध्यापक। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल में हुई कार्यशाला में अध्यापकों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंदगढ़

सूरज स्कूल महेन्द्रगढ़ में अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. रितू विज को आंमत्रित किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय कक्षा प्रबन्धन रहा।

इस विषय पर बोलते हुए प्रमुख वक्ता डॉ. रितू विज ने अध्यापक की कक्षा में प्रवेश से पहले की तैयारी, विद्यार्थियों से जुड़ाव, विद्यार्थियों की अकादमिक उन्नति के लिए किए जाने वाले प्रयास, विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से निपटने के तरीके बताना, अभिभावकों से सकारात्मक संपर्क, विद्यार्थियों की मनोदशा को समझना आदि बिन्दुओं पर अध्यापकों के साथ लंबी चर्चा की और कक्षा में उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं से निपटने के तरीके बताये।

इसके साथ ही नयी शिक्षा नीति पर भी चर्चा की गयी। इस कार्यशाला में विभिन्न बिंदुओं को आसान तरीके से समझाने के लिये विभिन्न रोचक गतिविधियां भी करवाई गई, जिसमें अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि विद्यार्थियों के साथ-साथ अध्यापकों को भी अपने आपको आधुनिक समय के अनुसार अपडेट करने की आवश्यकता होती है। इसलिए इस कार्यशाला का आयोजन ग्रीष्म अवकाश के अंत पर विद्यालय खुलने से ठीक पहले करवाया गया है। इस कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य अध्यापकों को शिक्षण के नये तरीकों की जानकारी देना है। प्राचार्य चन्द्रपाल यादव सहित सभी अध्यापकों ने इस उपयोगी कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रमुख वक्ता डॉ. रितू विज और विद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

मीठे पानी की छबील लगाकर मनाई 35वीं वर्षगांठ

महेंद्रगढ़। शहर के पुराने नारनौल रोड स्थित गंगा देवी पाण्डेय नेत्र चिकित्सालय ने अस्पताल की 35वी वर्षगांठ के अवसर पर मीठे पानी की छबील लगाकर उस रोड से गुजरने वाले राहगीरों को शरबत पिलाया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के प्रबंधक श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि महेंद्रगढ़ निवासी के डॉ. जसवंत शर्मा जो कि अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने अपने पिता की अचानक आंखो की रोशनी चली गई। उस समय उन्होंने ठान लिया कि किसी ओर की आंखों के इलाज के अभाव में आंखों की रोशनी न जाए। इसलिए उन्होंने 29 जून 1990 को अपनी दादी जी के नाम से गंगा देवी पाण्डेय नेत्र चिकित्सालय की शुरूवात की। जिसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री बनारसी दास गुप्ता ने किया। इस तरह से पिछले 34 वर्षों से यह अस्पताल लोगों की आंखों का इलाज विश्वस्तरीय मशीनों की सहायता से कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन ने इसी खुशी में मीठे पानी की छबील लगाकर अपनी 35वी वर्षगांठ मनाई।

दिनदहाड़े दुकान में घुसा चोर, चढ़ा ग्रामीणों के हत्थे

भिवानी। गांव तिगड़ाना में दिन दहाड़े एक दुकान में एक व्यक्ति घुस गया और वहां पर रखा गल्ले से पैसे निकालकर भागने लगा,लेकिन दुकानदार ने पकड़ लिया। बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी आरंभ कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव तिगड़ाना निवासी विनय कुमार ने बताया कि उसने गांव में ही एक परचून की दुकान की हुई है। वह दुकान के पास किसी व्यक्ति के पास बैठ गया। इतनी देर में एक युवक दुकान में घुसा और वहां पर रखे गल्ले से पैसे निकालने लगा। उसकी नजर दुकान पर पड़ी आरोपी पैसे निकालकर निकलने लग रहा था। उसने शौर मचाया तो मौके पर अनेक लोग पहुंच गए। आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। दूसरी तरफ हांसी रोड पर एक मकान के ताले तोड़कर चोर उसमें से हजारों रुपये का सामान ले गए। पीड़ित कौशल तंवर ने बताया कि आरोपी मकान से इन्वेर्टर, पानी की मोटर व अन्य सामान ले गए है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज करके जांच आरंभ कर दी है।

जूनियर वर्ग लड़कों के 45 किग्रा में पंकज पानीपत ने जीता गोल्ड

भिवानी। 14वीं हरियाणा राज्य जूनियर/यूथ वुशू लड़के-लड़कियों चैम्पियनशिप जिला वुशू संघ भिवानी द्वारा हरियाणा एमेच्योर वुशू संघ के तत्वावधान में राजपूत धर्मशाला में हुई, जिसका शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी एवं मुए थाई खेल संघ हरियाणा अध्यक्ष राहुल राणा ने किया। चैंपियनशिप में हरियाणा प्रदेश के 17 जिलों से 160 लड़के व लड़की खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सोमबीर शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता मे विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्यतिथि रहे, जबकि नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, श्याम सुन्दर सर्वसमाज सेना व राजकुमार महासचिव रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग लड़के के 45 किलोग्राम में पंकज पानीपत ने गोल्ड, रजत भिवानी ने सिल्वर, युग रेवाड़ी ब्राउंज, 48 किलोग्राम में वंश रोहतक ने गोल्ड, जतिन पलवल ने सिल्वर, हर्ष सोनीपत ने कास्य, 52 किलोग्राम में सागर हिसार ने गोल्ड, रिषभ भिवानी ने सिल्वर, हर्ष महेंद्रगढ़ ने कांस्य,56 किलोग्राम में अमन रोहतक ने गोल्ड, सूरज भिवानी ने सिल्वर, दक्ष फतेहाबाद ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर सचिव राकेश दिसोदिया, मुकेश तवंर, सज्जन कंवर फूलपुरा, कोषाध्यक्ष कर्मवीर कौशिक पालवास, कोच शुभम शर्मा सिवाड़ा, राकेश फरीदाबाद, राहुल रेवाड़ी, प्रभा रेवाड़ी, विजय रोहतक, सुशील पहलवान जींद, नरेश शर्मा कैथल, लोकेश महेंद्रगढ़, महेन्द्र सैनी, अजय झज्जर, दीपक हिसार मौजूद रहे।

भिवानी। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक।

मंडी अटेली। राजकीय पशु औषधालय दुबलाना से सेवानिवृत्त राजेंद्र को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

दुबलाना से सेवानिवृत्त राजेंद्र को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

राजकीय पशु औषधालय दुबलाना से सेवानिवृत्त राजेंद्र को दी गई भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्ति के अवसर पर विभाग द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। राजेंद्र राजकीय पशु औषधालय में 26 साल तक अपनी सेवा दी।

उन्होंने सलूनी में 15 साल व दुबलाना में 11 साल बतौर सफाई कर्मचारी अपनी सेवा दी। इस विदाई समारोह में हवासिंह बौद्ध ने उनके कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी को उनके कार्यकाल से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि राजेंद्र बहुत ही मधुर स्वभाव के सफाई कर्मचारी रहे हैं। क्षेत्र की जनता हमेशा उनके कार्य से संतुष्ट नजर आई। इस मौके पर विभाग से वेटरनरी सर्जन डॉ. जगबीर, डॉ. राकेश, मधुसूदन, डॉ. सुभाष, राजकुमार, विनोद, कृष्ण, कुमार, संजय कुमार, प्रेमचंद, अजीत, नरेश कुमार, सरपंच रमेश कुमार, पूर्व सरपंच सत्यप्रकाश, गगनदीप सिंह व नीरज कुमार आदि उपस्थित रहे।

रोहतक रेडियो स्टेशन की आवाज अब जिला में सुनाई नहीं देती, उसे चालू करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रोहतक रेडियों स्टेशन से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम पिछले दो माह से महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी जिलों में न सुनाई देने अथवा बंद होने के कारण इलाके के लोगों में भारी रोष व्याप्त है। इस सम्बन्ध में प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो अतरलाल एडवोकेट ने हरियाणा के मुख्यसचिव तथा रोहतक रेडियो स्टेशन के निदेशक को ज्ञापन भेजकर बंद कार्यक्रम को तुरंत चालू करने की मांग की है। अतरलाल ने ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए कहा नांगल मोहनपुर, ईसराणा, ककराला, रामबास, कपूरी तथा इलाके के अनेक गांवों के लोगो से शिकायत मिली है कि पिछले दो माह से रोहतक रेडियो स्टेशन से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम बंद हैं। उन्होंने कहा कि रोहतक रेडियो स्टेशन से प्रसारित होने वाले अनेक कार्यक्रम वृद्धों, वयस्कों, युवाओं तथा महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी होते थे। इलाके के लोग बड़े चाव से रेडियो पर प्रसारित होने वाले देहाती कार्यक्रम, महिला कार्यक्रम, खेल वार्ताएं, संवाद कार्यक्रम को सुनते हैं, परन्तु दो माह से रेडियो पर प्रसारित होने वाले सभी कार्यक्रम बंद होने के कारण इलाके के लोग बहुत बैचेन तथा उदास हैं। उन्होंने ज्ञापन में चेतावनी दी है कि दस दिन के अंदर रोहतक रेडियो से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम शुरू नहीं किए गए तो प्रजा भलाई संगठन के कार्यकर्ता रोहतक रेडियो स्टेशन कार्यालय पर धरना देंगे। उन्होंने कहा कि बड़े अफसोस की बात है कि दो महीने से रेडियो स्टेशन के अधिकारी जनता की मांग की तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। जब सात दिन में नहर व समुन्द्र में पुल बन सकते हैं तो कार्यक्रम को चालू करने में आ रही अड़चनों को दूर क्यों नहीं किया जा रहा है, यह सोचनीय विषय है।

- प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो अतरलाल एडवोकेट ने हरियाणा के मुख्य सचिव व रोहतक रेडियो स्टेशन के निदेश को भेजा मांग पत्र

भीषण गर्मी में महिला कॉलेज में ठंडे पानी की नहीं थी कोई व्यवस्था

कॉलेज में छात्राओं के लिए संस्था ने लगाया वाटर कूलर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में श्री बाबा भगवान दास जन जागरण वेलफेयर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा द्वारा वाटर कूलर लगवाया गया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि भीषण गर्मी में महिला कॉलेज में छात्राओं के लिए ठंडे पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। कॉलेज प्रशासन की ओर से संस्था से कॉलेज वाटर कूलर लगवाने की मांग रखी गई थी। जिस पर महाविद्यालय की छात्राओं के लिए ठंडे पानी का प्रबंध किया गया। संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश वर्मा व संरक्षक सुकेश दीवान ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा आम जनता के वेलफेयर के अनेक प्रकार के सेवा कार्य किए जाते हैं। जनता अपनी शिकायत एनजीओ की कार्यालय में 11 से तीन बजे तक दे सकते हैं। सुरेश शर्मा ने बताया कि लगभग सभी प्राइवेट अस्पताल में मरीज के साथ आईसीयू में भर्ती करके बहुत भारी भरकम बिल बनाए जाते हैं और इसके बारे में मरीज और उसके परिवार को अंधेरे में रखा जाता है। इसके लिए सरकार ध्यान दें।

रामनिवास पाटोदा ने सुझाव दिया कि महेंद्रगढ़ बस डिपो में हरियाणा रोडवेज की अनेक वोल्वो बसों को सिरसा और अन्यत्र ट्रांसफर करके महेंद्रगढ़ की जनता के साथ अन्याय किया है। समस्त कार्यकारिणी ने कहा कि सभी स्तर पर भ्रष्टाचार चर्म सीमा पर है सरकारी कर्मचारी अपनी ड्यूटी का पालन सही प्रकार से नहीं कर रहे हैं।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार का बोलबाला है सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में विफल रही है। कोई भी कार्य बिना रिश्वत के नहीं किया जा रहे हैं। महेंद्रगढ़ नगर पालिका 2 वर्षों से शहर में बिजली पानी सफाई रोशनी आदि मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में असफल रही है। इस अवसर पर मास्टर महावीर, राधेश्याम, धौलपोश गौशाला के प्रधान रवि तिवारी आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। कॉलेज में वाटर कूलर लगवाते संस्था के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मंढाणा जोहड़ पर लगाए बड़, पीपल नीम, कदम व पिलखान के पौधे

नारनौल। पर्यावरण टीम की ओर से गांव मंढाणा के जोहड़ 15 फीट के 50 पौधे बड़, पीपल, नीम, कदम, पिलखान लगाए। जिसमें गांव के लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी ने एक-एक को पालने की शपथ ली। इस संबंध में डा. अनूप यादव ने बताया कि उनकी पर्यावरण टीम समय-समय पर कालका माता मंदिर पीएचसी, आरोही मॉडल स्कूल में पौधे लगाए रहते हैं। अब तक उनकी पर्यावरण टीम कई हजार पेड़ पौधे लगा चुकी हैं। इसके लिए उन्हें जिला व राज्य स्तर पर पुरुस्कृत किया जा चुका है।

मिशन बुनियाद 2024 -26 बैच के लिए चयनित 187 छात्रों की काउंसलिंग एवं डॉक्यूमेट वेरिफिकेशन की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मिशन बुनियाद के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए चयनित हुए विद्यार्थियों की काउंसलिंग दो जुलाई को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल में होगी। जिले के 187 चयनित विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया जाएगा। प्रदेश सरकार ने राजकीय विद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से मिशन बुनियाद योजना बनाई है। शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशानुसार चार मई को जिले में मिशन बुनियाद लेवल-3 की परीक्षा एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन लघु सचिवालय नारनौल स्थित ऑडिटोरियम हॉल में किया गया था जिसके तहत 187 विद्यार्थियों का चयन बुनियाद कार्यक्रम के लिए किया गया है। हरियाणा सरकार और विकल्प फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहे मिशन बुनियाद कार्यक्त्रम की शुरुआत वर्ष 2022 में की गई थी। पूरे हरियाणा मे शिक्षा विभाग द्वारा इस योजना के तहत नौंवी और 10वीं कक्षा के 5000 से अधिक विद्यार्थी 103 केंद्रों मे कुल 206 कक्षा केंद्र पर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। मिशन बुनियाद के अंतर्गत, नौंवी और दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों के बीच में एक स्वतंत्र, सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी भावना बढ़ाना है। बुनियाद कार्यक्रम में बच्चों को निशुल्क वर्दी, पाठ्यपुस्तके, टैबलेट एवम बुनियाद सेंटर तक आने जाने के लिए भत्ता दिया जाता है। महेंद्रगढ़ जिले में राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली एवं कनीना को शिक्षा विभाग द्वारा बुनियाद केंद्र बनाया गया है।

विद्यार्थियों को ये लेकर आना होगा

- विद्यार्थियों को अपना साथ स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट
- अपना और अभिभावकों का आधार कार्ड
- मिशन बुनियाद का लेवल-3 का परिणाम
- आठवीं कक्षा की अंक तालिका
- पास बुक, पासपोर्ट साइज फोटो
- परिवार पहचान पत्र

क्या कहते है डीईओ

हरियाणा शिक्षा विभाग के आदेशानुसार सभी चयनित विद्यार्थियों के विद्यालय मुख्याओं को खण्ड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों का सभी जरूरी दस्तावेज संबंधित स्कूल से लेकर मिशन बुनियाद के काउंसलिंग प्रोग्राम में शामिल होना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जा चुका है।-सुनील दत्त, जिला शिक्षा अधिकारी नारनौल

क्या कहते है डीएसएस

जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि वर्तमान सत्र 2024-26 के लिए नौंवीं कक्षा के विद्यार्थियों के चयन हेतु खण्ड व जिला स्तर पर बुनियाद के तीनों लेवल की परीक्षाएं आयोजित की जा चुकी हैं। महेंद्रगढ़ जिले के 187 चयनित विद्यार्थियों की बुनियाद केंद्रों में दाखिले के लिए काउंसलिंग राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल में दो जुलाई को होगी। ये सभी विद्यार्थी इस समय नौंवीं कक्षा में जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

राधा-कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। राधा-कृष्ण प्रभातफेरी संगठन द्वारा 76वीं प्रभातफेरी मोहल्ला पुरानी सराय से बड़ी धूमधाम से निकाली गई, जिसके मुख्य यजमान नवनीत सोनी ने सभी को चंदन तिलक लगाकर ठाकुर जी की आरती करके शुभारंभ किया। प्रभातफेरी नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई पुनः यजमान के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी की आरती की तथा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

टी-20 विश्व कप जीतने पर खुशी जताई

कनीना। भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा टी-20 विश्व कप जीतने पर लोगों ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी जताई। क्रिकेट प्रेमी दिनेश कुमार, राजकुमार, कृष्ण सिंह, विजय कुमार, हर्ष, राजेश व विनय सिंह ने कहा कि भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी के साथ बेहतरीन बोलिंग भी और फील्डिंग करते हुए बाउंड्री पर जबरदस्त कैच पकड़,ा जिसकी बदौलत भारतीय टीम टी-20 विश्व कप में विजेता बनी। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय टीम के विश्व विजेता बनने पर लोगों ने रात्रि में ही जमकर पटाखे जलाएं।

सीएम ने वेब कास्टिंग के जरिए किया योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित

जून में प्रोएक्टिव मोड पर बनी 3333 लाभार्थियों की पेंशन

नारनौल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव रहे मुख्य अतिथि, सरकार ने पीपीपी के माध्यम से अंत्योदय की पहचान कर हकदार को हक देने का कार्य किया : डा. अभय सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। लाभार्थियों को अधिकार पत्र सौंपते सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने रविवार को पानीपत से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वेब कास्टिंग के जरिए प्रदेश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। इसके अलावा सीएम ने लाभार्थियों के साथ बातचीत की तथा योजनाओं के बारे में फीडबैक लिया। वहीं नारनौल में लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम में नागरिकों को संबोधित करते हुए सिंचाई मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से अंत्योदय की पहचान करके अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

सरकार दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। अब असली हकदार को हक मिल रहा है। सरकार ने अधिकारों का ऐसा सिस्टम बनाया है कि सभी लाभ अपने आप मिलने लगे। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, विदुर और अविवाहित नागरिकों को वित्तीय सहायता की योजना से बहुत बड़े वर्ग को सामाजिक सुरक्षा मिली है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में सिंचाई मंत्री ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 50 लाभार्थियों को अधिकार पत्र सौंपे। डॉ बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के 426 लाभार्थियों को 80-80 हजार रुपये तक के लाभ सर्टिफिकेट वितरित किए। वहीं सेवा विभाग के लाभार्थियों को जून माह में प्रोएक्टिव मोड पर बनी नई पेंशन के लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किए। जिला महेंद्रगढ़ में इस माह प्रोएक्टिव मोड पर 3333 लाभार्थियों की पेंशन बनी है। इनमें 2725 वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन 54, दिव्यांग पेंशन 94 तथा विधुर पेंशन के 460 लाभार्थी शामिल हैं। सभागार भवन में जिला प्रशासन की ओर से सभी लाभार्थियों को फूड पैकेट भी वितरित किए। लाभार्थियों के लिए प्रशासन की ओर से बसों की व्यवस्था की गई थी।

सरकार ने 10 साल में वृद्धावस्था सम्मान पेंशन में 2000 रुपये की बढ़ोतरी की : ओम प्रकाश यादव

सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गरीबों को उनका हक देने का कार्य किया है। विपक्षी पार्टियां जनता को बहकाने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में वृद्धावस्था सम्मान पेंशन में 2000 रुपये की बढ़ोतरी की है। वर्ष 2014 में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना के तहत 1000 रुपये पेंशन मिलती थी। कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में वृद्धावस्था पेंशन में केवल 700 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। सरकार ने परिवार पहचान पत्र से ऐसी व्यवस्था की है जिसके माध्यम से नागरिक के पात्र होते ही उससे संबंधित योजनाओं का लाभ मिलने लगता है। किसी प्रकार का आवेदन करने की भी जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पारदर्शी तरीके से गरीब लोगों को सरकारी नौकरी का मौका मिलने लगा है। दक्षिणी हरियाणा के युवाओं को इसका सबसे अधिक फायदा मिला है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव, एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह, डीडीपीओ हरि प्रकाश बंसल, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा, जिला कल्याण अधिकारी अनिल कुमार, डीआईओ हरीश शर्मा व एडवोकेट सुभाष यादव के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मंडी अटेली। अनाज मंडी में रामपुरा हाउस के समर्थकों संबोधित करते हुए राव अभिजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

रामपुरा हाउस के समर्थकों का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली अनाज मंडी में रविवार को रामपुरा हाउस के समर्थकों का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में रामपुरा हाउस के राव अभिजीत सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। राव अभिजीत सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह अटेली विधानसभा से चुनाव लड़ेंगें, जिसमें उनकी प्राथमिकता क्षेत्र के विकास के लिए पर रोजगार, किसान के उत्थान के लिए और दक्षिणी हरियाणा को अपना हक दिलाने के पहली प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कांग्रेस व बीजेपी को कहा कि कांग्रेस के दौरान क्षेत्र में कोई बड़ा काम नहीं हो पाया और भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जो काम हो रहे हैं, वह बड़ी धीमी रफ्तार से चल रहे हैं। दक्षिणी हरियाणा को अपना हक दिलाने के लिए वह अटेली विधानसभा से चुनाव लड़ेंगे। क्षेत्र के लोग हमारा साथ देकर अगर हमें अटेली विधानसभा का सदस्य बनाते हैं तो वह दिन-रात अटेली का विकास व रोजगार के लिए तथा लोगों की सेवाओं के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। ऐसा नहीं होगा कि जो हमारे पिछले विधायक जो बनकर गए हैं, वह केवल कुर्सियों के चिपक कर रहते हैं और पूरे 5 साल लोगों के बीच नहीं आते। वह अपनी बात विधानसभा में मजबूती से नहीं कह पाते हैं, जिसकी वजह से हमारा क्षेत्र पिछड़ जाता है। अगर हमारा विधायक जागरूक होगा तो उसी प्रकार क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी। पत्रकारों के सवाल पर बोलते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में वह चाहते हैं कि उनके ताऊ राव इंद्रजीत सिंह उनको सपोर्ट करें। अंत में उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में आने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कृष्ण राजपुर, नरेंद्र हुकडना, हरि सिंह रेवाला, रामसिंह, राकेश यादव, रणवीर बैगपुर, पूर्व सरपंच चेतराम, बाबूलाल वर्मा, जोगेंद्र के अलावा सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नारनौल। प्राचार्य रमेश चंद को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करते हुए स्टॉफ।

योग्य एवं कर्मठ शिक्षक के रूप में याद रखे जाएंगे प्राचार्य रमेश

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर से प्राचार्य रमेश चंद 28 वर्ष की सेवा उपरांत सेवानिवृत हो गए। इस विषय में जानकारी देते हुए विद्यालय के राजनीतिक विज्ञान के प्रवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि प्राचार्य रमेश के 30 जून को अपने पद से सेवानिवृत्ति होने पर विद्यालय में सेवानिवृति समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ प्रवक्ता दिनेश गांधी ने कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है तो रमेश जैसे शिक्षक इसके पुजारी है। प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा कि अपने कर्तव्य को समर्पित शिक्षक का सेवानिवृत्त होना शिक्षा जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है। मंच संचालन करते हुए प्रवक्ता अभय सिंह यादव ने कहा कि प्राचार्य रमेश चंद का कार्यकाल विद्यालय में स्वर्णिम दौर रहा है। उनकी पहचान एक कर्तव्यनिष्ठ और कर्मठ शिक्षक की रही है। प्रवक्ता विजय शर्मा ने कहा कि प्राचार्य रमेश चंद के नेतृत्व में विद्यालय ने बेहतरीन परीक्षा परिणाम प्राप्त किया और तरक्की के नए आयाम गढ़े। इससे पूर्व प्राचार्य ने स्कूल परिसर मे कार्यरत सुख सहायकों को उपहार प्रदान कर समारोह की शुरूआत की।इस मौके पर प्रवक्ता आशा शर्मा, प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार, प्राथमिक मुखिया रामनिवास, कम्प्यूटर शिक्षक महेंद्र सिंह, कश्मीर सिंह, इंद्रमोहन, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम सिंह, मुख्य अध्यापक राजेंद्र सिंह, प्रो. ऋषि कुमार, बलबीर सिंह दादरी, घनश्याम जांगिड़, रोहतास, अतर सिंह, अजय कुमार, कैलाशी देवी व कविता आदि मौजूद रहे।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

नारनौल। अलग-अलग दुर्घटनाओं में ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। जीआरपी ने आवश्यक कार्रवाई की है। सुबह करीब सात बजे अमरपुर जोरासी रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर गाड़ी में चढ़ते समय संतुलन बिगड़ने पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान शहर को नलापुर निवासी करीब 65 वर्षीय प्रताप सिंह सैनी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि प्रताप सिंह सैनी जब ट्रेन में चढ़ रहा था, तब अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। इससे उसके पैर कट गए और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी नारनौल घटनास्थल पर पहुंची तथा परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव को नागरिक अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों से शव का पोस्टमार्टम कराने उपरांत उसे परिजनों को सौंप दिया गया। इसी प्रकार कादीपुरी रोड के पास बीती रात्रि को अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से करीब 32 वर्षीय किशन सिंह वासी पड़ाव कौल जिला अलीगढ़ उत्तर प्रदेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी घटनास्थल पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मोर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी ने परिजनों को सूचित कर दिया है तथा वह यूपी से नारनौल के लिए चल पड़े हैं। उनके आने के बाद ही आवश्यक कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नेशनल हेल्थ मिशन कर्मचारियों ने पूर्व सीएम को सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी के जिला अध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र की अध्यक्षता में नेशनल हेल्थ मिशन के कर्मचारी हरियाणा के प्रतिपक्ष के नेता एवं पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से सीएल फार्म में मिला तथा उन्हें अपना एक मांगपत्र सौंपा। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की राज्य कमेटी सदस्य हरकेश ने बताया कि नेशनल हेल्थ कर्मचारी राज्य सरकार से वर्षों से उन्हें रेगुलर करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कर्मचारी पक्का होने की राह देख रहे थे, क्योंकि भाजपा सरकार द्वारा अपने ही शासनकाल जनवरी 2018 में स्वास्थ्य विभाग में लगे एनएचएम कर्मचारियों के लिए बनाए गए सेवा नियम बनाए थे, लेकिन उनको लागू नहीं किया जा रहा और उन्हें रोक दिया गया है, जिससे हरियाणा के 17000 एनएचएम कर्मचारियों में रोष पनप रहा है। इस तरह के तुगलकी और कर्मचारी विरोधी हरकतों को एनएचएम कर्मचारी बर्दास्त सरकार नहीं करेंगे। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. पुष्पेंद्र ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र हुड्डा से उनके नारनौल दौरे के दौरान मिला तथा पूर्व सीएम ने विधानसभा में एनएचएम कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर जिला मंत्री विनोद राव, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, भूपेंद्र यादव, राकेश यादव, सविता यादव, सुनीता मान, संतोष वर्मा व सुशीला यादव उपस्थित रहे।

नारनौल। पूर्व सीएम हुड्डा से मुलाकात करते एनएचएम कर्मचारी।

दैनिक दिनचर्या में आवश्यक योग क्रियाओं का करवाया अभ्यास

श्री धार्मिक रामलीला मैदान में योग शिविर का हवन के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रोटरी क्लब नारनौल सिटी एवं बेलाज द्वारा श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट चांदूवाड़ा के तत्वावधान में 12 दिवसीय निःशुल्क पतंजलि योग शिविर का आयोजन रामलीला मैदान चांदूवाड़ा में किया गया। 19 जून से 30 जून तक चले इस योग शिविर में पतंजलि के योगाचार्य डॉ. निलेश मुदगिल, सीपी संघी एडवोकेट तथा आरोग्यम वेलनेस सेंटर से डॉ नितिन योगाचार्य ने प्रतिदिन शिविर में पधारे सैकड़ों नौजवान साथियों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को अपने दैनिक दिनचर्या में आवश्यक योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया।

रविवार को योग शिविर के समापन अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव व रविंद्र माथुर मुख्य अतिथि रहे। योगाचार्य ने उपस्थित जनसमूह को योग से मिलने वाले स्वास्थ्य एवं शारीरिक लाभ की जानकारी दी। रविवार को शिविर के समापन के उपलक्ष्य में रक्तदान में अपने विशेष योगदान हेतु हरियाणा के राजपाल महामहिम बंडारू दत्तात्रेय से सम्मानित होने वाले मनीष गोगिया व मुकेश देवी यादव को रोटरी क्लब नारनौल सिटी तथा श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। रामलीला ट्रस्ट प्रधान संजय गर्ग व योगाचार्य ने मुख्यातिथि को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। संजय गर्ग ने योगाचार्य डॉ. निलेश मुदगिल, सीपी संघी एडवोकेट एवं आरोग्यम वेलनेस सेंटर के डॉ. नितिन योगाचार्य का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी योगाचार्यों के सहयोग से 12 दिनों तक लगातार योग शिविर सैंकड़ों लोगों ने योग क्रियाएं सीखकर लाभ उठाया। मुख्यातिथि दयाराम यादव ने कहा कि योग हम सभी के लिए नितनियम की आवश्यकता है। जिससे लोग शारीरिक एवं मानसिक शांति की प्राप्ति कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में पूर्ण विधिविधान पूर्वक वैदिक रीति रिवाज द्वारा हवन संपन्न कर योग शिविर का समापन किया गया।

नारनौल। मुकेश देवी यादव को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। मनीष गोगिया को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

मौके पर रोटरी क्लब प्रधान नरेश गोगिया, एडवोकेट राजकुमार यादव, नवीन गुप्ता, रामलीला ट्रस्ट प्रधान संजय गर्ग, सचिव दीपक हरित, कोषाध्यक्ष जगदीश भारद्वाज, रविंद्र सिंह मटरू, मनीष गोगिया, मुकेश देवी यादव आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005